शिक्षक - रवि शंकर राय विषय - अर्थशास्त्र

दिनांक - 07-08-2020 वर्ग - B.A-I

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार

Objective

...ओं में परिकल्पित की जाती हैं।
अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में एक गतिशील और विकासशील देश की विशेषता उसके द्वारा नव प्रवर्तन की दर जे. जानी जाती हैं। जिसमें सम्मिलित है ⟶ नवीन वस्तुओं एवं उत्पादन प्रक्रियाओं की संख्या जो देश प्रतिवर्ष अपनाता है।

148. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रस्ताव वक्र का संबंध है ⟶ एजवर्थ – मार्शल से।

149. " अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अब विकास का इंजन नहीं रहा है " इस विचार को प्रस्तुत किया ⟶ जे. वाइनर ने।

150. व्यापार शर्तों की प्रवृत्ति विकासशील देशों के हितों के विपरीत बदलने की रही हैं। इस विचार का प्रतिपादन किया हैं ⟶ सिंगर-प्रेबिश ने।

151. निम्नलिखित में से कौन स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में सत्य है ⟶ 1. मुक्त व्यापार संसाधनों के अनुकूलतम प्रयोग को प्रेरित करता है।
2. मुक्त व्यापार एकाधिकार के सृजन को रोकता है।
3. मुक्त व्यापार औद्योगिक संरचना का विविधीकरण करता है।

152. निर्यातों में परिवर्तन के फलस्वरूप आय में परिवर्तन के अनुपात को कहते हैं ⟶ विदेशी व्यापार गुणक।

153. व्यापार के अवसर लागत का सिद्धान्त ⟶ व्यापार के तुलनात्मक लागत सिद्धान्त के पक्ष में है।

154. निर्यात की किसी मात्रा को बदले के बदले में आयात की आने वाली अधिकतम मात्रा को प्रदर्शित करने वाला वक्र कहलाता हैं ⟶ प्रस्ताव वक्र

155. भुगतान शेष के संतुलन में कीमत समायोजन क्रांतिक रूप से निर्भर करता है ⟶ मांग और पूर्ति फलनों की लोच पर।

156. हैबलर के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त में दोनों में से कोई भी देश पूर्ण विशिष्टीकरण नहीं करेगा यदि उत्पादन होता है ⟶ घटते प्रतिफल के नियम के अन्तर्गत।

157. सहभागी देशों के मध्य आर्थिक सहयोग के निम्नलिखित विकल्पों में कौन सबसे निर्बल विकल्प है ⟶ स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र।

158. 1. आयात प्रशुल्क लगाने पर आयातित वस्तु की कीमत में वृद्धि की संभावना होती है।
2. यह कीमत वृद्धि व्यापारित देशों में वस्तु की मांग और शर्तों की लोच पर निर्भर करता है।
3.

159. क्रय शक्ति समता सिद्धान्त का प्रतिपादन किया ⟶ "कैसल" ने।

160. किसने कहा था कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार निरपेक्ष लाभ की अवधारणा पर आधारित है ⟶ एडम स्मिथ।

P मूल्य स्तर हो, x निर्यात का, m आयात का तथा Q परिमाण का द्योतक हैं तो आय व्यापार शर्त होगी → $\frac{P_x}{P_m} Q_x$ |
व्यापार तटस्था वक्र की संकलपना के प्रस्तुत कर्ता हैं → मीड।
163. कौन-सा एक किसी देश की व्यापार शर्तों को प्रभावित करने वाला कारक नही है → स्थिर विनिमय दर
164. संतापकारी संवृध्दि की संकलपना के प्रतिपादक हैं → जगदिश भगवती |
165. स्टॉपलर - सैम्युलसन प्रमेय का संबंध हैं, प्रशुल्क के प्रभाव का → आय वितरण पर।
166. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधुनिक सिध्दान्त का श्रेय दिया जाता हैं → ओहलिन को।
167. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिष्ठित सिध्दान्त के अनुसार दो देश व्यापार इस लिए करते हैं कि → उत्पादन की दशाएं भिन्न-भिन्न हैं।
168. एक देश की मुद्रा के बाह्य मूल्य में बजार द्वारा निर्धारित उपर को होने वाला समायोजन कहलाता हैं → अधिमूल्यन।
169. कौन सी एक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के अवसर लागत सिध्दान्त की मान्यता नही है → दोनो देशों में, दोनो वस्तुओं के उत्पादन में स्थिर प्रतिफल का नियम क्रियाशील है।
170. निम्नलिखित मदो में से किसे देश के भुगतान में सम्मिलित नही किया जाता हैं → आयात तथा निर्यात शुल्क।
171. यदि किसी देश की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ प्राप्त हो तो उसका उपभोग बिन्दु → उत्पादन संभावना सीमा के उपर होगा।
172. कौन सा उपाय प्रतिकूल भुगतान संतुलन के नियंत्रण में सहायक नही हैं → हीनार्थ प्रबंधन।
173. रिकार्डो के तुलनात्मक लागत सिध्दान्त में किसने संसोधन किया → ओहलिन।
174. "इंटर रीजनल एंड इंटरनेशनल ट्रेड" पुस्तक के लेखक हैं → ओहलिन।
175. जब दो देशो में स्वर्णमुद्राए चलन में हैं तो उनके बीच विनिमय दर निर्धारण की प्रक्रिया को कहा जाता हैं → स्वर्ण समता मान।
176. जब कोई वस्तु विदेशो में घरेलू बजार कीमत से कम में बेचा जाता हैं या उत्पादन लागत से कम में बेचा जाता हैं तो यह कहलाता है → राशिपातन।
177. एक देश द्वारा आयात कर लगाने से देश में उपभोक्ता की बचत में होती है → गिरावट।